



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 53]
No. 53]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, फरवरी 3, 1983/माघ 14, 1904
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 3, 1983/MAGHA 14, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1983

कां०आ० 84(अ).—केन्द्रीय सरकार, विदेशी पंचाट (मान्यता और प्रवर्तन) अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 2 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि पारस्परिक उपबन्ध किए गए हैं, सैन सैरिनों गणतंत्र को ऐसा राज्य-क्षेत्र घोषित करती है जिसको उक्त अधिनियम की अनुसूची में दी गई विदेशी माध्यस्थ पंचाट की मान्यता और प्रवर्तन संबंधी कवेंशन 11 अक्टूबर, 1960 को या उसके पश्चात् किए गए उक्त धारा में निर्दिष्ट प्रकृति के किसी पंचाट के प्रयोजनार्थ लागू होती है।

[फा०सं० 9(18)/80-ई०पोल०]

MINISTRY OF COMMERCE NOTIFICATIONS

New Delhi, the 3rd February, 1983

S.O. 84(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Foreign Awards (Recognition and Enforcement) Act, 1961 (45 of 1961), the Central Government, being satisfied that reciprocal provisions have been made, hereby declares the Republic of San Marino to be a territory to which the Convention on the Recognition and Enforcement of Foreign Arbitral Awards, set forth in the Schedule to the said Act, applies for the purpose of any award of the nature referred to in that section made on or after the 11th day of October, 1960.

[File No. 9(18)|80-E.POL.]

कां०आ० 85(अ).—केन्द्रीय सरकार, विदेशी पंचाट (मान्यता और प्रवर्तन) अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 2 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि पारस्परिक उपबन्ध किए गए हैं, मध्य अफ्रीकी गणतंत्र को ऐसा राज्य-क्षेत्र घोषित करती है जिसको उक्त अधिनियम की अनुसूची में दी गई विदेशी माध्यस्थ पंचाट की मान्यता और प्रवर्तन संबंधी कवेंशन 11 अक्टूबर, 1960 को या उसके पश्चात् किए गए उक्त धारा में निर्दिष्ट प्रकृति के किसी पंचाट के प्रयोजनार्थ लागू होती है।

[फा०सं० 9(18)/80-ई०पोल०]

S.O. 85(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Foreign Awards (Recognition and Enforcement) Act, 1961 (45 of 1961), the Central Government, being satisfied that reciprocal provisions have been made, hereby declares Central African Republic to be a territory to which the Convention on the Recognition and Enforcement of Foreign Arbitral Awards, set forth in the Schedule to the said Act, applies for the purpose of any award of the nature referred to in that section, made on or after the 11th day of October, 1960.

[File No. 9(18)|80-E.POL.]

कां०आ० 86(अ).—केन्द्रीय सरकार, विदेशी पंचाट (मान्यता और प्रवर्तन) अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 2 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि पारस्परिक उपबन्ध किए गए हैं, कुवैत को ऐसा राज्य-क्षेत्र घोषित करती है जिसको उक्त अधिनियम की अनुसूची में दी गई विदेशी

माध्यस्थ पंचाट की मान्यता और प्रवर्तन सङ्घी कन्वेंशन 11 अक्टूबर, 1960 को या उसके पश्चात् किए गए उक्त धारा में निविष्ट प्रकृति के किसी पंचाट के प्रयोजनार्थ लागू होती है।

[फा०स० 9(18)/80-ई०पोल०]
म० सम्पंगी, उ० अधिक सहायक

Enforcement) Act, 1961 (45 of 1961), the Central Government, being satisfied that reciprocal provisions have been made, hereby declares Kuwait to be a territory to which the Convention on the Recognition and Enforcement of Foreign Arbitral Awards, set forth in the Schedule to the said Act, applies for the purpose of any award of the nature referred to in that section, made on or after the 11th day of October 1960.

S.O. 86(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 2 of the Foreign Awards (Recognition and

[F. No 9(18)|80-E.POL.]
M. SAMPANGI, Dy. Economic Adviser